अनुसंधान दर्शिका प्रथम भाग
खण्ड – क
एम.डी. आयुर्वेद शोध प्रबन्ध सारांश
अनुक्रमणिका

5 – विकृति विज्ञान

क्र. सं.	शीर्षक का नाम	:	अध्येता का नाम	पृष्ठ नं.
	1983			
1.	मूत्र की तैल बिन्दु परीक्षा	:	डा. चन्द्र शर्मा	1
2.	पुरीष परीक्षा का नैदानिक अध्ययन	:	डा. ओमप्रकाश शर्मा	2
3.	तमक श्वास का सम्प्राप्ति परक अध्ययन	:	डा. अरविन्द कुमार शर्मा	2
	1985			
4.	आर्तववह स्रोतो दुष्टि का नैदानिक अध्ययन (आर्तव परीक्षण द्वारा आर्तववह स्रोतो दुष्टि विवेचन)	:	डा. कीर्ति माथुर	3
5.	अग्नि एवं पुरीष परीक्षा द्वारा ग्रहणी रोग विनिश्चय	:	डा. राधेश्याम गर्ग	4
6.	दोषों के शाखागमन में हेतुत्व (विषम ज्वर के संदर्भ में)	:	डा. कन्हैयालाल शर्मा	4
7.	पाण्डु रोग सम्प्राप्ति विवेचनान्तर्गत दूष्य (रस–रक्त) परीक्षण	:	डा. ब्रजेश चन्द्र शर्मा	5

1986

8.	अन्नवह स्रोतो दुष्टि का नैदानिक अध्ययन एवं शूल का परीक्षणात्मक विवेचन	:	डा. चम्मनराम	6
9.	आमवात का निदान परक अध्ययन (उपशयानुपशय)	:	डा. जनार्दन शर्मा	7
10.	A Study of Pathogenesis of Santata jwara	:	Dr. R. Venkateshwar Rao	8

1987

11.	रसवह स्रोतो दुष्टि का नैदानिक अध्ययन ह्रद्रोगों के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. हरिनारायण पाण्डेय	8
12.	निदान संप्राप्ति सम्बन्ध विवेचन विबन्ध के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. ब्रजकिशोर मिश्रा	9
13.	मूत्राघात निदान–सम्प्राप्ति परक अध्ययन–अष्ठीला के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. शिवचरण शर्मा	10
14.	मूत्रवह स्रोतोदुष्टि विज्ञानीयम् (मधुमेह के परिप्रेक्ष्य में)	:	डा. अशोक कुमार शर्मा	11

1988

15.	मूत्राश्मरी का निदान सम्प्राप्ति परक अध्ययन	:	डा. अशोक कुमार गुप्ता	11
16.	अम्लपित्त रोग का नैदानिक अध्ययन	:	डा. विनोद कुमार कोठियाल	12

17.	अर्शोरोग का नैदानिक अध्ययन	:	डा. दलीप कुमार शर्मा	13
18.	जलोदर रोग का निदान सम्प्राप्ति परक अध्ययन	:	डा. सुधा शर्मा	13

1989

19.	कामला का नैदानिक अध्ययन	:	डा. ब्रजबिहारी मिश्रा	14
20.	उच्च रक्तभार (आर्टीरियल हायपरटेन्शन) निदान सम्प्राप्ति विमर्श रक्तावृत्त वात के परिप्रेक्ष्य में	:	डा. उमेश चन्द्र पाठक	15
21.	स्थौल्य (मेदोरोग) का नैदानिक अध्ययन	:	डा. वीणा चतुर्वेदी	16
22.	प्रदर का नैदानिक अध्ययन (श्वेत प्रदर)	:	डा. सरोज ओझा	17
23.	हृत्मर्मोपघातज शोथ में वनपलाण्डु का उपशयात्मक अध्ययन	:	डा. राधाबल्लभ सती	18